CLASSICAL AGE शास्त्रीय युग

It includes the following arts इसमें निम्नलिखित कलाएँ शामिल हैं

1. **Greek Art** **ग्रीक कला /यूनानी कला**
2. **Hellenistic Art** **हेलेनिस्टिक कला**
3. **Etruscan Art** **इट्रस्कन कला**
4. **Roman Art** **रोमन कला**

Greek art (800 BC - 50 BC) ग्रीक कला (800 ईसा पूर्व - 50 ईसा पूर्व)

The rise of Greek civilization in form of the Aegean civilization, the great influence of which is visible on the later Greek civilization, the Aegean race had come to an end due to the Attack of the Dorian race. Greece is also called Hellas which is an ancient city here or in the form of remains of Greek art, mainly drawings made on pottery are found.

ईजियन सभ्यता के रूप में ग्रीक सभ्यता का उदय हुआ , जिसका अत्यधिक प्रभाव बाद की ग्रीक सभ्यता पर दिखाई देता है, डोरियन जाति के हमले के कारण ईजियन जाति का अंत हो गया था। ग्रीस को हेलस भी कहा जाता है जो यहाँ का एक प्राचीन शहर था यूनानी कला के अवशेषों के रूप में मुख्य रूप से मिट्टी के बर्तनों पर बने चित्र, आलेखन प्राप्त होते हैं।

Greek art is divided into four parts ग्रीक कला को चार भागों में बांटा गया है:

1. Homer Age to Persian Age (800 BC - 480 BC)
   होमर युग से फारसी युग (800 ईसा पूर्व - 480 ईसा पूर्व)
2. Early Classical Period (480 BC-400 BC)
   प्रारंभिक शास्त्रीय काल (480 ईसा पूर्व-400 ईसा पूर्व)
3. Great Classical Period (400 BC - 300 BC)
   महान शास्त्रीय काल (400 ईसा पूर्व - 300 ईसा पूर्व)

Art theory Mastery 8700506336

4. Hellenic / Hellenistic Period (300 BC - 50 BC) (Greco-Roman)

हेलेनिक /हेलेनिस्टिक काल (300 ईसा पूर्व - 50 ईसा पूर्व) (ग्रीको-रोमन)

1. Homer era to the Persian era **होमर युग से पर्शियन युग तक**

This time's Art examples are found in the form of the Pottery remaining, due to the decorations in the characters and the geometrical shapes made, it is also called the geometric age.

इस समय की कला के उदाहरण बचे हुए मिट्टी के बर्तनों के रूप में मिलते हैं, पात्रों में अलंकरण और बनी ज्यामितीय आकृतियों के कारण इसे ज्यामितीय युग भी कहा जाता है।

Often there is a lack of human and animal figures, here the drawing is usually made of black colour on ceramic vessels, the shapes of the characters are also often geometric.

अक्सर मानव और जानवरों की आकृतियों की कमी है, यहाँ चित्र आमतौर पर चीनी मिट्टी के बर्तनों पर काले रंग से बना होता है, पात्रों की आकृतियाँ भी अक्सर ज्यामितीय होती थी ।

In about 600 BC, the first attempt to show perspective in painting started and the first artist to use this type of experiment was Kimon.

लगभग 600 ईसा पूर्व में पेंटिंग में परिप्रेक्ष्य दिखाने का पहला प्रयास शुरू हुआ और इस प्रकार का प्रयोग करने वाले पहले कलाकार किमोन थे।

The first painter to show the difference in the male and female figure is believed to be Umariz, the early painters who painted red on a black background pottery were Antokidges and Ciaux.

माना जाता है कि पुरुष और नारी आकृति में अंतर दिखाने वाले पहले चित्रकार यूमारिज़ थे, शुरुआती चित्रकार जिन्होंने पत्रों की काली पृष्ठभूमि पर लाल रंग से चित्रण करने वाले आरम्भिक चित्रकार एंटोकिजेस और सिआक्स थे।

Note Point - At this time, a poet named Homer has also described the battle of Triyans in the epics named "Iliad and Odyssey" and the characters of the Diapylon style found in the Geometric Age, which were found from the cemetery (Athens) called Diapylon.

Art theory Mastery 8700506336

नोट बिंदु - इस समय, होमर नाम के एक कवि ने इलियड और ओडिसी नामक महाकाव्यों में ट्रायंस की लड़ाई का भी वर्णन किया है। और ज्यामितीय युग में प्राप्त डायपाइलन शैली के पात्र जो कि डायपाइलन नामक कब्रिस्तान (एथेंस) से प्राप्त हुए।

2. Early Classic Period (480 BC to 400 BC)

प्रारंभिक शास्त्रीय काल (480 ईसा पूर्व से 400 ईसा पूर्व)

In this era, construction of huge buildings, sculpture and attractive paintings were received. इस काल में विशाल भवनों का निर्माण, मूर्तिकला एवं आकर्षक चित्र प्राप्त हुए।

3. HIgh Classical Period (400 BC -300 BC)

महान शास्त्रीय काल (400 ईसा पूर्व -300 ईसा पूर्व)

This era is called the era of revolution in Greek art, in addition to the standing figure statue of human, the artists of this time had also started making statues with qualities full of lyrical and dynamic balance. Among the prominent sculptors of this period, Myron and Polykleitos are famous and among other artists were Geusic, praxiteles, Eufener, Protogenes, Achilles, etc.

इस युग को ग्रीक कला में क्रांति का युग कहा जाता है, इस समय के कलाकार मानव आकृति की सीधी खड़ी मूर्ति के अतिरिक्त लयात्मक एवं गतिमान संतुलन से भरपूर गुणों वाली मूर्तियाँ बनाना भी शुरू कर दिया था। इस काल के प्रमुख मूर्तिकारों में मायरान और पॉलीक्लिटोस प्रसिद्ध हैं और अन्य कलाकारों में ज्यूसिक, प्रैक्सिटेल्स, यूफेनर, प्रोटोजेन्स, एकलिज आदि थे।

A. Polykleitos - This artist was famous for making statues of High classical period. The statues made in bronze are also famous

पॉलिक्लीटस - यह महान शास्त्रीय काल की मूर्तियाँ बनाने के लिए प्रसिद्ध कलाकार था। कांसे से बनी मूर्तियाँ भी प्रसिद्ध हैं

1. Doryphorus or Spear-Carrier डोरिफोरस या भला लिए युवक

2. Amazon figure अमेज़न (नारी आकृति)

Art theory Mastery 8700506336

B. Myron - he was also an important sculptor of the high classical period, its famous work is Discobolus

मायरोन - वे महान शास्त्रीय काल के एक महत्वपूर्ण मूर्तिकार थे, इसकी प्रसिद्ध कृति डिस्कोबोलस है

C. Praxiteles - he was also an important artist of the 4th century BC. Among its main sculptures "Aphoditi (Venus of the Classical period), Roman god Cupid Statue, Statue of Bionysus, Statue of Hermes.

फ्रेक्सेतीलस - चौथी शताब्दी ईसा पूर्व के एक महत्वपूर्ण कलाकार थे। इसकी मुख्य मूर्तियों में "Aphoditi (शास्त्रीय युग की वीनस), रोमन देवता क्यूपिड की मूर्ति, बायोनिसस की मूर्ति, हरमीज़ की प्रातिमा

D. Scopas - he was also famous sculptor of the 4th century. its world famous creation is "Dimeter"

स्कोपस - वे चौथी शताब्दी के प्रसिद्ध मूर्तिकार थे। इसकी विश्व प्रसिद्ध रचना "डिमीटर" है

E. Lysippos - This was the sculptor of Alexander and its time was also around 40 BC, the first Alexander idol was made by him. Its world famous sculpture Lacoon is very important which is a collective sculpture.

लिसिप्पस - यह सिकंदर का दरबारी मूर्तिकार थे और इसका समय भी लगभग 400 ईसा पूर्व का था, सिकंदर की सर्वप्रथम मूर्ति उन्हीं के द्वारा बनाई गई थी। इसकी विश्व प्रसिद्ध मूर्ति लाकून बहुत महत्वपूर्ण है जो एक सामूहिक मूर्ति है।

Art theory Mastery 8700506336

Hellenic or Hellenistic art (300 BC-50 BC)

हेलेनिक या हेलेनिस्टिक कला (300 ईसा पूर्व -50 ईसा पूर्व)

This is called the era of great architecture. यह महान वास्तुकला का युग कहलाता है।

The time of Alexander and his death is known as the Hellenistic period in Greek history, at this time the production of sculptures is in large numbers and the place of painting had become somewhat low, at this time the statues of the gods "Apollo

and Roadies" and individual sculptures. There was a special construction of Collective statues. This time Realism in sculpture is main feature and a Bronze statue (The Dying Gaul) is important.

सिकंदर के समय व उसकी मृत्यु के समय ग्रीक इतिहास में हेलेनिस्टिक काल के रूप में जाना जाता है, इस समय मूर्तियों का उत्पादन बड़ी संख्या में होता था और चित्रण का स्थान कुछ कम हो गया था, इस समय की मूर्तियाँ देवताओं की "अपोलो और रोडीज़" की दैत्याकार मुर्तिया तथा व्यक्ति मूर्ति शिल्प का विशेष निर्माण हुआ था सामूहिक मूर्तियों का निर्माण हुआ इस समय की मूर्तिकला में यथार्थवाद एक मुख्य विशेषता थी और एक कांस्य प्रतिमा मरणासन गाल सैनिक (द डाइंग गॉल) महत्वपूर्ण है।

Three sculptors from Rhodes Agesandros, Polydorus, and Athenodorus made “Laocoon and his sons” sculpture.

रोड्स के तीन मूर्तिकार - हेगेसेन्ड्रोस, पॉलीडोरस और एथेनोडोरस ने “लाओकून और उसके पुत्र” मूर्ति बनायीं

Main Deities of Greece			**ग्रीस/यूनान के मुख्य देवता**
1. the god of the ocean	-	Podisan	समुद्र के देवता - पोडिसन
2. God of hell	-	Hadon	नर्क के देवता - हडोन
3. God of Wine Producer	-	Dionysus	वाइन निर्माता के देवता - डायोनिसस

Art Theory 8700506336

4. God of Art and the Sun	-	Appollo	कला और सूर्य के देवता - अपोलो
5. God of the Sky	-	Zeus	आकाश के देवता - जियस/ ज्यूस
6. Goddess of Knowledge	-	Athena	ज्ञान की देवी - एथेना
7. the goddess of love	-	Afriditi	प्रेम की देवी - अफ्रोदिति
8. God of War	-	Ares	युद्ध के देवता - एरस

Note - Start of Olympic Games in Greece 776 BC and the games were held in honor of the ancient Greeks god Zeus

नोट - 776 ईसा पूर्व ग्रीस में ओलंपिक खेलों की शुरुआत हुई और खेल प्राचीन यूनानियों ज्यूस के सम्मान में आयोजित किए गए थे

Acropolis - On any high place in Greece or the cities built especially on the hills of the city of Athens were called Acopolis.

एक्रोपोलिस - ग्रीस/यूनान में किसी भी ऊंचे स्थान पर या विशेष रूप से एथेंस शहर की पहाड़ियों पर बने शहरों को एकोपोलिस कहा जाता था।

Parthenon - Temple of the goddess athena in the city of Athens in ancient Greece, called the Parthenon. This rectangular building was built in white marble in the Doric style on a high flat ground.

पार्थेनन - ग्रीस/यूनान के एथेंस नगर में वह की देवी एथेना का मंदिर, जिसे पार्थेनन कहा जाता है। यह आयताकार भवन सफेद संगमरमर से डोरिक शैली में एक ऊंचे समतल मैदान पर बनाया जाता था।

heory Mastery 8700506336

Etruscan Art (600 BC - 500 BC), Italy

इट्रस्कन कला (600 ईसा पूर्व - 500 ईसा पूर्व), इटली

Before the merger with the Roman Empire, the countries of the western side of Italy were known as "Eturia", this region of Eturia is called Etruscan art from 600-500 BC. रोमन साम्राज्य के साथ विलय से पहले, इटली के पश्चिमी हिस्से के देशों को "इट्रुरिया" के नाम से जाना जाता था, इट्रुरिया के इस क्षेत्र को 600 से 500 ईसा पूर्व तक इट्रस्कन कला कहा जाता था।

The Tiber and Arno rivers flow towards the north of Italy. and according to researchers, the Etruscan race has lived in Italy since the pre-historical period. His art was also like Egypt's art of the dead.

टाइबर और आर्नो नामक नदियाँ इटली के उत्तर की ओर बहती हैं। और शोधकर्ताओं के अनुसार,इट्रस्कन जाति प्रागेतिहासिक काल से इटली में रहती है। उनकी कला भी मिस्र की तरह मृतकों की कला थी।

Etruscan art later had a great influence on the development of Roman religion and state institutions, the Etruscans being the most worshiped of gods. There Temples were built with clay bricks that were decorated with terracotta bricks, Etruscan artists were skilled in making bronze and stone statue, the statue of animals made in bronze of this era has also been received.

इट्रस्कन कला आगे चलकर रोमन धर्म तथा राजकिय संस्थानों के विकास पर बहुत प्रभाव पड़ा, इट्रस्कन जाति के लोग सबसे अधिक देवताओं को मानते थे यहा मिट्टी की ईंटों से मंदिरों का निर्माण किया जाता था जो कि टेराकोटा की चमकदार इटो से अलंकृत होते थे इट्रस्कन कलाकार कांस्य व पत्थर की प्रतिमाएं बनाने में कुशल थे इसी युग के कांस्य में निर्मित पशुओं की मूर्ति भी प्राप्त हुई है

Art theory Mastery 8700506336

Roman Art (200 BC - 100 BC) रोमन कला (200 ईसा पूर्व - 100 ईसा पूर्व)

Roman art is considered to be the art of the last stage of the classical period, at this time architecture and sculpture were in a more important position than painting.

रोमन कला को शास्त्रीय युग के अंतिम युग की कला माना जाता है, इस समय चित्रकला की तुलना में वास्तुकला और मूर्तिकला अधिक महत्वपूर्ण स्थान पर थे।

After living as a small city Rome state under Etruscan rule, by the end of 300 BC, Rome had taken control of almost all of Italy and the foundation of the Roman Empire was gradually increased. Spain, France, Great Britain, Germany, Holland, Syria, Palestine, Egypt and all of Greece.

ईट्रस्कन शासन के अधीन एक छोटे से नगर राज्य के रूप में रहने के बाद रोम ने 300 ईसा पूर्व के अंत तक लगभग पूरे इटली पर अधिकार कर लिया था एवं रोमन साम्राज्य की नींव पड़ी धीरे-धीरे रोमन कला साम्राज्य के विस्तार के साथ ही पुर्तगाल, स्पेन, फ्रांस, ग्रेट ब्रिटेन, जर्मनी, हॉलैंड, सीरिया फिलिस्तीन, मिश्र व संपूर्ण यूनान में भी फैल गयी

The elements were mainly adopted from the Greeks.

रोमन जाति ने कला के तत्वों को मुख्यतः यूनानीयों से ही ग्रहण किया था

In Roman ancient city of herculaneum and Pompei the remains found after the excavation, it would have been known that the walls of the buildings of that time were to be Column figures were painted and called ART of Illusion.

रोम के प्राचीन नगरों में हरकुलेनियम तथा पोम्पेई में हुए उत्खनन के पश्चात प्राप्त अवशेषों से ज्ञात होता है कि उस समय के भवनों की दीवारों पर भ्रम में डालने वाले स्तंभ आकृतियां चित्रित की जाती थी इस भ्रामक यथार्थवादी कला को "आर्ट ऑफ़ इल्यूजन" कहते हैं

Ancient Roman Frescoes Examples have been received from the city of Pompeii. which looks like that the Romans were very luxuriant and in the painting, Loved excessive ornamentation.

पोम्पेई शहर में प्राचीन रोमन के भित्तिचित्रों के उदाहरण प्राप्त हुए हैं। जिसे देख कर ऐसा लगता है कि रोमनवासी बहुत भोगविलासी थे और चित्रों में अत्यधिक अलंकरण पसंद करते थे।

Art theory Mastery 8700506336

Wax paints on wooden planks also carry portraits of people, important examples of which are Portrait of Harminer, Teacher of classics etc are prominent.

रोमन कला में लकड़ी के तख्तों पर मोम के रंगो से व्यक्ति चित्र भी होता हैं, जिसके महत्वपूर्ण उदाहरण पोर्ट्रेट ऑफ हारमिर, टीचर ऑफ़ क्लासिक्स आदि प्रमुख हैं।

This Wax painting method was made in the Encaustic painting method, in this period the remains of Mosaic painting have also been found, in which the "Battles of zeus" is the best example of Roman Mosaic paintings. यह मोम पेंटिंग विधि एन्कास्टिक चित्रण विधि में बनाई गई थी, इस अवधि में मोज़ेक चित्रों के अवशेष भी पाए गए हैं, जिनमें "ज्यूस की लड़ाई" रोमन मोज़ेक चित्रों का सबसे सर्वश्रेष्ठ उदाहरण है।

In Rome, in the third and fourth century, a book named Codex was painted, which is in the form of a square or rectangular paper pack.

रोम में तीसरी और चौथी शताब्दी में कोडेक्स नामक पुस्तक का चित्रण किया गया था, जो एक वर्गाकार या आयताकार पन्नो की गड़ी के रूप में होती थी

Famous painters of Rome were Pictor Delphaphilos, Metrodorus, febius pictor dinofilus etc.

रोम के प्रसिद्ध चित्रकार पिक्टर डेल्फाफिलोस, मेट्रोडोरस, फैबियस पिक्टर डाइनोफिलस आदि प्रमुख थे।

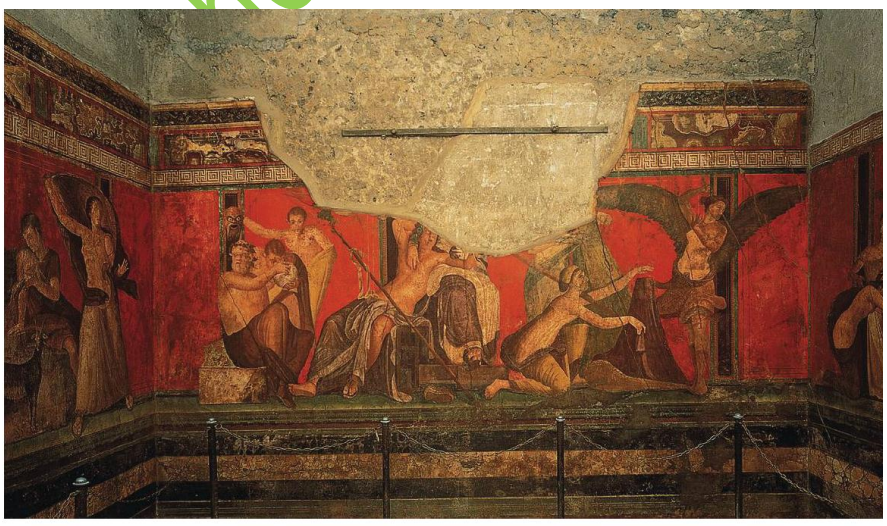

7.53 *Scenes of Dionysiac Mystery Cult*, from the Villa of the Mysteries, Pompeii. Second Style wall painting. ca. 60–50 BCE

NOTE POINT

1. Painting of the Greek god Eros in Roman art is depicted in name "Cupid"

रोमन कला में यूनानी/ग्रीक देवता इरास की पेंटिंग को "क्यूपिड" नाम से दर्शाया गया है

2. In Roman art, the scenes of Odyssey and the frescoes of Alexender are inscribed in the Mosaic method and the largest number of frescoes have been received from the city of Herculeneum.

रोमन कला में ओडिसी के दृश्य और सिकंदर के भित्ति चित्र अंकित हैं मोज़ेक विधि और सबसे बड़ी संख्या में भित्तिचित्र हरक्यूलिनम शहर से प्राप्त हुए हैं।

3. Signs of style with black Figure have special importance in the paintings of Roman era.

रोमन काल के चित्रों में ब्लैक फिगर वाली शैली के चिन्हों का विशेष महत्व है।

4. Trajan Column was built in Roman between 106 AD to 113 AD. Which is 125 feet high tower structure built in marble. About 65 feet long war victory pictures are engraved on this circular pillar, built by the ruler of Rome troajan, to commemorate the victory over war of Romania.

ट्रोजन कॉलम रोमन में 106 ईस्वी से 113 ईस्वी के बीच बनाया गया था। जो एक 125 फीट ऊंची संगमरमर से बनी मीनार है जिसमे लगभग 65 फीट की युद्ध विजय के चित्र उकेरे गए हैं यह गोलाकार स्तंभ, रोम के शासक ट्रोजन द्वारा, रोमानिया पर विजय की स्मृति में बनाया गया था ।

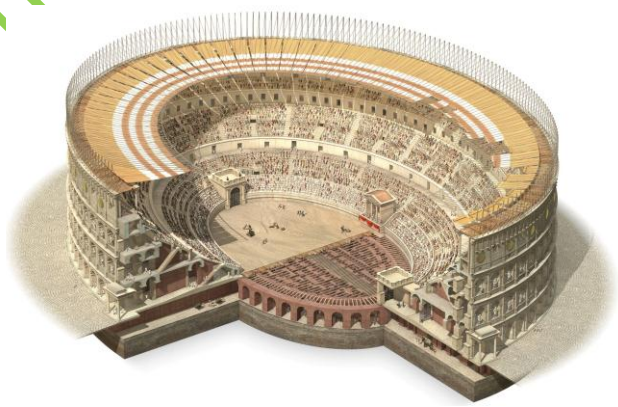

5. The amphitheater, was built around 80 ad, showing different architectural styles in Rome, which is known as the **Colosseum**, each of its floors depicting a different

Art theory Mastery 8700506336

architectural style, it has a total of 76 entrances and it's have 4 story building.

एम्फीथिएटर, लगभग 80 ईस्वी में बनाया गया था, रोम की विभिन्न स्थापत्य शैली को दर्शाता है, जिसे कोलोसियम के रूप में जाना जाता है, इसकी प्रत्येक मंजिल एक अलग स्थापत्य शैली को दर्शाती है, इसमें कुल 76 प्रवेश द्वार हैं और यह 4 मंजिला इमारत है।

MIDDLE AGE मध्य युग

Classification of major Art under the Middle Ages

मध्य युग के तहत प्रमुख कला का वर्गीकरण

1. Early Christian Art प्रारंभिक ईसाई कला
2. Byzantine Art बायज़ेन्टिन कला
3. Romanesque Art रोमनस्क कला
4. Gothic Art गोथिक कला

Early Christian period (Around 100 AD to 600 AD)

प्रारंभिक ईसाई काल (लगभग 100 ईस्वी से 600 ईस्वी तक)

Christianity was born from the declining civilization of the rome in the early times of Christian art, most of the murals were based on the imitation of Roman art, the first and ancient signs of Christianity were found in wall of caves of Mausoleum. These mausoleum caves were called Catacombs and they were made by digging pits inside the ground.

रोम की समाप्त होती सभ्यता से ईसाई धर्म का जन्म हुआ, ईसाई कला के शुरुआती समय मेंअधिकांश भित्ति चित्र रोमन कला की नकल पर आधारित थे, ईसाई धर्म के प्रथम और प्राचीन चिन्ह वह की समाधि गुफाओं की दीवार में पाए गए थे। इन समाधि की गुफाओं को कैटाकॉम्ब कहा जाता था और इन्हें जमीन के अंदर गड्ढे खोदकर बनाया गया था।

In the beginning, due to the fear of the Roman rulers, Christianity was very secretly promoted, due to which Its promotion is shows only on religious basis of symbols.

Art theory Mastery 8700506336

प्रारंभ में रोमन शासकों के भय के कारण ईसाई धर्म अत्यंत गुप्त था, जिसके कारण इसका प्रचार प्रतीकों के आधार पर ही दिखाया जाता था।

In the Christianity, Peacock was considered a symbol of immortality of Jesus.

ईसाई धर्म में, मयूर को यीशु की अमरता का प्रतीक माना जाता था।

The Pigeon is considered a symbol of the soul.

कबूतर को आत्मा का प्रतीक माना जाता था

The fish is one of the earliest symbols of Christ

मछली, ईसा मसीह के शुरुआती प्रतीकों में से एक है

Basket filled with Bread (Christ's body) etc.

रोटी (ईसा मसीह का शरीर) से भरी टोकरी।

Note Point

1) Life Character of Jesus Christ is depicted on the basis of New testament.

ईसा मसीह के जीवन चरित्र को न्यू टेस्टामेंट के आधार पर दर्शाया गया है

New Testment - Christan — न्यू टेस्टामेंट - ईसा मसीह

Old testament - Jewish — ओल्ड टेस्टामेंट - यहूदी

2) Christianity started in Italy — ईसाइ कला की शुरुआत इटली में हुई

3) Images to be Painted or relief on church are called altarpiece.

चर्च की वेदी पर चित्रित या उभार वाली छवियों को अलटरपीस कहा जाता था

On the basis of the Testament, Four major beings have been considered as saints.

टेस्टामेंट के आधार पर चार प्रमुख प्राणियों को संत के रूप में माना गया है।

(A) The Apostle	-	Saint Matthew	देवदूत - सेंट मैथ्यू
(B) A Lion	-	Saint Mark	एक शेर - सेंट मार्क
(C) A bull	-	Saint liyo Luke	एक बैल - सेंट लियो ल्यूक
(D) A vulture	-	Saint Jorne	एक गिद्ध - सेंट जोर्न

Art theory Mastery 8700506336

4) Catacomb murals found in Rome's Domitilla are probably the oldest murals.

रोम के डोमिटिला में पाए जाने वाले कैटाकॉम्ब भित्ति चित्र संभवत: सबसे पुराने भित्ति चित्र हैं।

Byzantine Art (400- 1500 AD) बाईजेंटाइन कला (400- 1500 ईस्वी)

The style is considered to be ancient and famous style and its main area was Italy (Rome) इस शैली को प्राचीन और प्रसिद्ध शैली माना जाता है। और इसका मुख्य क्षेत्र इटली (रोम) था।

Byzantine City It was the former capital of the greek empire. Which Emperor Constantine conquered in 330 AD and named it Constantinople, which is the present-day of Turkey's Istanbul.

बाईजेंटाइन नगर यह प्राचीन ग्रीक/यूनान साम्राज्य की पूर्व राजधानी थी। जिसको सम्राट कॉन्सटेंटाइन ने 330 ई. में विजय प्राप्त की और उसका नाम रखा कांस्टेंटिनो पोल, जो वर्तमान में तुर्की का देश का इस्तांबुल है।

Constantine declared Christianity as the state religion and this Byzantine Made the major center of promotion and Byzantine art promote Christianity for about 800 years It is because of the Byzantine city being the main center of this art. The art is called byzantine art.

कॉन्स्टेंटाइन ने ईसाई धर्म को राज्य धर्म घोषित किया और इस बाइजेंटाइन शहर को प्रचार का एक प्रमुख केंद्र बनाया और बाइजेंटाइन कला ने लगभग 800 वर्षों तक ईसाई धर्म को बढ़ावा दिया, क्योंकि बाइजेंटाइन शहर इस कला का मुख्य केंद्र था इसलिए इस कला को बाइजेंटाइन कला कहा जाता है।

In this art, the construction of churches and their decoration started on a grand level and in this art there was more of ornamentation than reality.

इस कला में चर्चों का निर्माण और उनके अलंकरण भव्य स्तर पर शुरू हुए और इस कला में यथार्थ की जगह अलंकरण को अधिक महत्त्व था।

Byzantine art was completely devoted to the service of the emperor. in the churches of Rome and Revenna - excellent paintings of Byzantine art are seen.

Art theory Mastery 8700506336

बाइजेंटाइन कला पूरी तरह से सम्राट की सेवा के लिए समर्पित थी। रोम और रेवेना के चर्चों में बाइजेंटाइन कला के उत्कृष्ट चित्र देखेने को मिलते हैं।

Mosaic method is very famous of Byzantine art and in this style the art of stained glass windows" came into existence.

बाइजेंटाइन कला मणिकुट्टिम पद्धतिकला के लिए बहुत प्रसिद्ध रही है और इस शैली में "रंगीन कांच की खिड़कियों की कला" अस्तित्व में आई।

Byzantine art reached its top point during the time of Emperor Justinian (527-565) The Hagia Sophia cathedral built during his time is a grand example, which was built from 532 AD to 537AD.

सम्राट जस्टिनियन (527-565AD) के समय में बाइजेंटाइन कला अपने चरमोत्कर्ष पर पहुँच गई। इनके समय में बनाया गया हागिया सोफिया कैथेड्रल एक भव्य उदाहरण है, जिसे 532 ईस्वी से 537 ईस्वी तक बनाया गया था।

After Justinian, the period from 7th to the middle of 12th century is called idol breaking period. The rulers belonged to the Leo dynasty and at the same time the marking of figures in painting was banned.

जस्टिनियन के बाद 7वीं से 12वीं शताब्दी के मध्य तक की अवधि को मूर्ति भंजक काल कहा जाता है। इस समय के शासक लियो वंश के थे। और साथ ही चित्रों में आकृतियों के अंकन पर प्रतिबंध लगा दिया गया था।

Afterwards, the second golden age of Byzantine art came (12-13th century).

बाइजेंटाइन कला का दूसरा स्वर्ण युग (12-13 वीं शताब्दी) में आया।

NOTE POINT

I. Byzantine art was symbolic, its subject matter was related to religion.

बाइजेंटाइन कला प्रतीकात्मक थी, इसकी विषय वस्तु धर्म से संबंधित थी।

2. In addition to mosaic and murals, the art of book ornamentation was also very important in this period.

इस काल में मौजेक और भित्ति चित्रों के अलावा पुस्तक अलंकरण की कला भी बहुत महत्वपूर्ण थी।

3. The last great artist of Byzantine art is considered to be Algreco.

बाइजेंटाइन कला के अंतिम महान कलाकार अल्ग्रेको माने जाते हैं।

Art theory Mastery 8700506336

4. The best example of Byzantine art is the St. Vital Church in Remanna and Second Greatest Building Hagia Sophia Church. yellow in the Byzantine art is Symbol of heaven.

बाइजेंटाइन कला का सबसे अच्छा उदाहरण रेमन्ना में सेंट वाइटल चर्च है दूसरा सबसे बड़ा भवन हागिया सोफिया चर्च है । बाइजेंटाइन कला में पीला है - स्वर्ग का प्रतीक

5. Byzantine art is also called Heroic art.

बाइजेंटाइन कला को मसीही कला भी कहा जाता है।

6. Figure drawing was prohibited in Byzantine art due to which the subject matter of the painting was symbolic and religious ornamentation.

बाइजेंटाइन कला में चित्र बनाना प्रतिबंधित था। जिससे चित्रकला की विषय वस्तु प्रतीकात्मक और धार्मिक अलंकरण रहा ।

7. The oldest paintings of the first phase of Byzantine art have been found from the Constantinopol Mausoleum in Rome.

बाइजेंटाइन कला के पहले चरण की सबसे पुरानी पेंटिंग रोम में कॉन्स्टेंटिनोपोल समाधि से मिली हैं।

8. In the last phase of Byzantine art, paintings were also made on wood, which were also called icons or statues, in which the famous painting is the Virgin of Vladimir.

बाइजेंटाइन कला के अंतिम चरण में लकड़ी पर भी पेंटिंग बनाई गई थी, जिन्हें आइकॉन अथवा प्रतिमाचित्र भी कहा जाता था, जिसमें प्रसिद्ध चित्र व्लादिमीर की वर्जिन है।

Art theory Mastery 8700506336

Romanesque style (11th to 12th century), France

रोमनस्क शैली (11वीं से 12वीं शताब्दी), फ्रांस

From the beginning of the 4th century to the end of the 8th century, due to invasions in northern Europe on the western part of the Roman Empire, the art there was influenced by the invaders. From which a new style was born, this art is also known in France as Romanesque in the 11th century.

चौथी शताब्दी के प्रारंभ से आठवीं शताब्दी के अंत तक उत्तरी यूरोप में रोमन साम्राज्य के पश्चिमी भाग पर आक्रमणों के कारण वहाँ की कला आक्रमणकारियों से प्रभावित थी। जिससे एक नई शैली का जन्म हुआ, इस कला को 11वीं शताब्दी में फ्रांस में रोमनस्क के नाम से भी जाना जाता है।

Architecture has been particularly important in this art, and a large number of fresco paintings were produced in churches.

इस कला में वास्तुकला विशेष रूप से महत्वपूर्ण रही है, और चर्चों में बड़ी संख्या में (फ्रेस्को) भित्तिचित्रों का निर्माण किया गया था।

In the field of architecture, gradually new experiments were made in place of Roman art techniques, which later developed Gothic art. and the art of the transition period between these two is actually called the Romanesque style. In which round arches were used in architecture.

वास्तुकला के क्षेत्र में रोमन कला तकनीकों के स्थान पर धीरे-धीरे नए प्रयोग किए जाने लगे, जिससे बाद में गोथिक कला विकसित हुई और इन दोनों के बीच संक्रमण काल की कला को वास्तव में रोमनस्क शैली कहा जाता है।जिनमें स्थापत्य की भांति ही गोल मेहराबों का प्रयोग हुआ

Some scholars consider the Romanesque style to be an incomplete form of the Gothic style कुछ विद्वान रोमनस्क्यू शैली को गॉथिक शैली का अधूरा रूप मानते हैं

The time of 11-12th century was very important in terms of architecture, at this time forts, churches were built in large numbers at almost all places. The ceilings of the churches were generally on high and tunnel like, in which the arches were also used, it also made the buildings heavy and gave enough encouragement for the frescoes.

11-12 वीं सदी का समय वास्तुकला की नज़र में बहुत महत्वपूर्ण था, इस समय बड़े पैमाने पर लगभग सभी जगहों पर किले, चर्च बड़ी संख्या में बनाए गए थे गिरिजाघरों की छतें सामान्यत:

Art theory Mastery 8700506396

ऊँचे और सुरंगनुमा होती थी इसने इमारतों को भी भारी बना दिया और भित्तिचित्रों को पर्याप्त प्रोत्साहन दिया।

Arches were considered to be a symbol of victory, and arches were used allegorically over and around sacred statues. Romanesque fresco paintings used a flat colour scheme and outlined the shapes with black and brown lines.

मेहराब विजय के प्रतीक माने जाते थे तथा पवित्र मूर्तियों के ऊपर तथा चारों और भी मेहराबों का अलंकारिक प्रयोग होता था रोमनस्क फ्रेस्को चित्रों में रंगों का समतल प्रयोग होता था तथा काले व भूरे रंग की रेखाओं से आकारों का स्पष्टीकरण किया जाता था

Romanesque Fresco also called Rapid fresco

रोमनस्क भित्ति चित्रों को रैपिड फ्रेस्को भी कहा जाता है

Gothic Art (France) गोथिक कला (फ्रांस)

Birth - 12th century जन्म - 12वीं शताब्दी

Extreme Development - 13th Century चरम विकास - 13वीं शताब्दी

Mainly 12th to 13th century. The style developed in North east France and England is called Gothic style.

मुख्य रूप से 12वीं से 13वीं शताब्दी तक उत्तर पूर्व फ्रांस और इंग्लैंड में विकसित शैली को गोथिक शैली कहा जाता है इसे इच कला भी कहा जाता है।

This style gained international fame in the 13th century.

13वीं शताब्दी में इस शैली ने अंतरराष्ट्रीय ख्याति प्राप्त की।

The first building of the gothic style of Saint Denis Church which was built in about 1135. The special difference between the Gothic buildings of Romanesque buildings is that Gothic buildings have an abundance of purely geometric shapes. Pointed arches have been used so much in this style that all the buildings with pointed arches came to be called Gothic.

गोथिक शैली का प्रथम भवन संत डेनिस का गिरजाघर था जिसका निर्माण लगभग 1135 ईसवी में किया गया, रोमनस्क भवनों के गोथिक भवनों में विशेष अंतर यह है कि गोथिक भवनों में

Art theory Mastery 8700506336

विशुद्ध ज्यामितीय आकारों की प्रचुरता है नुकीले मेहराबों का इस शैली में इतना अधिक प्रयोग हुआ है कि नुकीले मेहराबों वाले समस्त भवन गोथिक कहे जाने लगे

The main feature of Gothic architecture is the stain glass window, which is painted in the windows. Due to architectural innovations, unnecessary blank walls have been replaced by tall windows, in which pictures were made from pieces of colored glass of various sizes.

गोथिक स्थापत्य की प्रमुख विशेषता शीशा चित्रण (स्टैन ग्लास विंडो) है जो की खिड़कियों में स्थित है स्थापत्य के नवीन आविष्कारों के कारण अनावश्यक रिक्त भित्तियों का स्थान ऊंची खिड़कियों ने ले लिया इनमें विभिन्न आकारों के रंगीन शीशे के टुकड़े से चित्र बनाए जाते थे

NOTE POINT

1. The first and main painter of Gothic art was "Giatto" and the second famous painter was the Master of Molins.

गोथिक कला का प्रथम व प्रमुख चित्रकार ज्योतो था एवं दूसरा प्रसिद्ध चित्रकार मास्टर ऑफ मौलिंस था

2. In the Gothic period, painting was also made in the church in which Virgin in Glory is an important example.

गोथिक काल में चर्चो में चित्र भी बनाए जाते थे जिनमें वर्जिन ग्लोरी महत्वपूर्ण उदाहरण है

3. Gothic art emphasizes the combination of interior and exterior decoration.

गोथिक कला में आंतरिक एवं बाहरी सजा एक साथ करने पर जोर दिया गया है

4. The Italian poet Dante called Stained Glass painting as frozen music In Gothic art. गोथिक कला में स्टैन ग्लास पेंटिंग को "जमा हुआ संगीत" फ्रोजन म्यूजिक" संज्ञा इटालियन कवी दांते के द्वारा दी गई

5. An important example of the gothic period was the Notre dame Church starting in the 12th century and completed in the middle of 13th century.

गोथिक काल का महत्वपूर्ण उदाहरण नोट्रेडेम गिरजाघर था 12 वीं सदी के मध्य आरंभ होकर मध्य 13 वी शती के मध्य पूर्ण हुआ

Art theory Mastery 8700506336

6. In Gothic buildings, pillars were of special importance, which gave rise to pointed arches and the roof was located on these arches and the walls were very few, in which place Stained Glass Windows were used.

गोथिक भावनो में स्तम्भों का विशेष महत्व था जो नुकिले मेहराबों को जन्म देते थे व इन्हीं मेहराबों पर छत रहती थी तथा दीवार बहुत कम होती थी जिनके स्थान पर स्टेन ग्लास विंडो प्रयोग किए जाते थे

7. The first use of the word Gothic dates back to the 16th century. It was done by the Italian historian Giorgione Vasari and the architecture became more prevalent in the seventeenth century.

गोथिक शब्द का सर्वप्रथम प्रयोग 16वी शताब्दी में इटालियन इतिहासकार ज्योर्जियों वसारी ने किया था तथा वास्तुशिल्प 17 शताब्दी में अधिक प्रचलित हुआ

8. Gothic is mainly considered to be the architectural style and after its end, Renaissance art begins in Italy.

गोथिक मुख्यत स्थापत्य शैली ही मनी जाती है तथा इसकी समाप्ति के पश्चात इटली में पुनर्जागरण कला का प्रारंभ होता है

9. The name of Chartres Cathedral is particularly important among the best examples of Gothic architecture.

गोथिक स्थापत्य के सर्वश्रेष्ठ उदाहरणों में चार्टस कैथेड्रल का नाम विशेष महत्वपूर्ण है

10. Pothi ornamentation art was also important in the Gothic style, the famous example of which is the Book of hours.

गोथिक शैली में पोथी अलंकरण भी महत्वपूर्ण रही जिसका प्रसिद्ध उदाहरण "बुक ऑफ आर"Book of hours" है

11. Abbot Suzarche, the designer of the Church of Saint Denis

संत डेनिस के गिरजाघर का डिजाइनर एबॉट सूजर था

12. The Master of Molins has depicted the Virgin in Glory and Nativity in rainbow colours. मास्टर ऑफ़ मोलिंस ने इंद्रधनुषी रंगो में वर्जिन इन ग्लोरी तथा नेटिविटी का चित्रण किया

13. Limburg painters have painted the months of the year.

लिम्बर्ग चित्रकारों ने वर्ष के महीनों का चित्रण किया है

Art theory Mastery 8700506336

14. King Ren painted a painting of a virgin and a child in the midst of a burning bush किंग रेन ने जलती हुई झाड़ियों के मध्य कुमारी तथा शिशु का चित्र

15. Gothic has been called the infamous style of the Middle Ages.
बनाया गोथिक को मध्ययुग की बदनाम शैली कहा गया है

16. The primacy of the line - Gothic style is considered to be the main primacy.
रेखा की प्रधानता - गोथिक शैली की प्रमुख प्रधानता मानी जाती है

Siena style 13th century, (Italy) सिएना शैली 13वीं सदी, (इटली)

In Italy, a group of painters with different artistic perspectives were working in a particular style at a place called Sienna, the main painters here were famous Giotto, Cimabue, Duccio and Simone Martini, and after the name of the place, this style became famous as the Sienna style. And the identity of this style remained for almost 150 years and lead painter of this style was Duccio.

इटली में, विभिन्न कलात्मक दृष्टिकोण वाले चित्रकारों का एक समूह सिएना नामक स्थान पर एक विशेष शैली में काम कर रहा था, यहाँ के प्रसिद्ध चित्रकार जियोतो, सिमाबुयें, दूच्चिओ और साइमन मार्टिनी थे, तथा स्थान विशेष के नाम पर यह शैली सिएना शैली के नाम से प्रसिद्ध हुई तथा इस शैली की पहचान लगभग 150 वर्ष तक बनी रही सिएना शैली का प्रणेता दुच्चियो को माना जाता है

Sienna's painter सिएना के चित्रकार

1. Duccio, 1260 - 1318 AD, Italy दुच्चियो, 1260 - 1318 ई., इटली

This was the main painter of Italy as well as the first painter of Sienna, hence the father of Sienna style of painting is called the Duccio.

यह इटली का प्रमुख चित्रकार होने के साथ-साथ सिएना का प्रथम चित्रकार भी था, इसलिए सियाना शैली की चित्रकला के पिता दुच्चियो को कहा जाता है

Main paintings मुख्य पेंटिंग

Art theory Mastery 8700506336

1. Mary and the Infant Jesus (Mural) मेरी और शिशु जीसस (भित्ति चित्र)

2. Madonna and Child on throne तख्त नासिर मरियम

3. Madonna and child Jesus with 6 Angels मरियम व शिशु ईसा 6 देवदूतो के साथ

4. Madonna of the Franciscans फ्रांसिस्कन्स की मैडोना

2. Cimabue (Giovanni Cimabue) 1240-1302. AD.

सीमाबुये (जियोवन्नी सीमाबुये) 1240-1302 ई.

It is called the father of Italian painting, it was a famous artist of the Florentine city of Italy and was also the teacher of Giotto, in the paintings made by him, there is a huge Manikuttim painting of Saint John contained in the church of Pisa, it is called the painter of Proto-Renaissance.

इसे इटली की चित्रकला का जनक कहा जाता है, यह इटली के फ्लोरेंटाइन शहर के एक प्रसिद्ध कलाकार थे और यह जिओटो के गुरु भी थे, उनके द्वारा बनाए गए चित्रों में संत जॉन की एक विशाल मणिकुट्टिम चित्र पीसा के चर्च में चित्रित है, इसे प्रोटोरिनासा का चित्रकार कहा जाता है।

3. Giotto (Giotto Bondone), 1266/67 - 1337 जियोतो (जियोतो बोन्दोने)

He was a disciple of Cimabue and he became particularly famous as a mural painter and from his time, it is considered the beginning of the Renaissance period in European art.

वह सिमाबुये के शिष्य थे और वे एक गति(मोशन) चित्रकार के रूप में विशेष रूप से प्रसिद्ध हुए इस समय से, इसे यूरोपीय कला में पुनरुथान काल की शुरुआत माना जाता है।

It is also called FATHER of MODERN PAINTING.

इसे आधुनिक चित्रकला का पिता भी माना जाता है।

One of its important disciples was Indria Arkeena.

इसके महत्वपूर्ण शिष्यों में से एक आंद्रिया अर्केना था ।

Main paintings मुख्य पेंटिंग

Art theory Mastery 8700506336

1) The Morning of Christ (Graffiti) द मॉर्निंग ऑफ क्राइस्ट (भित्तिचित्र)

2) Biography of Saint Francic (28 frescoes in the Church of Assisi)
सेंट फ्रांसिस की जीवनी (असीसी के चर्च में 28 भित्तिचित्र)

Note - This was also a painter of Proto-Renaissance
यह भी प्रोटोरिनेंस का चित्रकार था

4. Simon Martini, 1284-1344 ad साइमन मार्टिनी, 1284-1344 ईस्वी

He was the second famous painter of Sienna and was a disciple of the painter Duccio. वह सिएना के दूसरे प्रसिद्ध चित्रकार थे और चित्रकार दूच्चिओ के शिष्य थे

Main paintings	**मुख्य पेंटिंग**
1. St. Francis	सेंट फ्रांसिस
2. Mother Mary	मदर मैरी
3. Annunciation	उदघोषणा
4. Messenger Messages	दूत सन्देश
5. Saint luee	संत लुइ

In addition to these painters, Ambro Gio Laren Jetty and Piedo Lac Jetty also famous painters of Sienna.

इन चित्रकारों के अलावा एम्ब्रो जिओ लारेन जेट्टी तथा पिएट्रो लॉरेन जेट्टी भी सिएना के प्रसिद्ध चित्रकार थे।

Art theory Mastery 8700506336